उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँः अप्रैल 2018

माननीय वित्त मंत्री द्वारा योग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

योग विभाग द्वारा अप्रैल माह में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन सत्र में दिनांक 12 अप्रेल को **मुख्य अतिथि** के रूप में ***उत्तराखण्ड सरकार के कैबिनेट व संसदीय कार्य मंत्री, वित्त मंत्री, मनोरंजन कर, आबकारी, पेयजल व स्वछता मंत्री श्री प्रकाश पन्त जी*** ने प्रतिभाग किया तथा अपने आशीर्वचन विद्यार्थियों को दिये। श्री प्रकाश पंत जी ने योग की विभिन्न पक्षो जिसमें ज्ञान योग, भक्ति योग, कर्म योग तथा हठयोग पर प्रकाश डाला तथा योग के दार्शनिक तथा वैज्ञानिक पक्षों से कार्यशाला में आये प्रतिभागियो को अवगत कराया।

माननीय वित्त मंत्री, उत्तराखण्ड श्री प्रकाश पंत जी योग कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए।

कार्यशाला के दौरान कुमॉऊ मण्डन विकास निगम, पिथौरागढ़ के प्रबन्धक श्री दिनेश गुरूरानी के आग्रह पर सामुहिक वृक्षारोपड कार्यक्रम तथा शहीद स्मारक में एक दिया शहीदो के नाम कार्यक्रम किया तथा सैकडों की संख्या में विद्यार्थियों तथा

कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

विश्वविद्यालय के प्रशिक्षकों ने प्रतिभाग किया तथा साथ सभी प्रतिभागियो को हिमालय बचाओ की शपथ दिलाई गयी। इस कार्यक्रम उपरान्त सामुहिक स्वस्छता का कार्यक्रम भी किया गया।

माननीय वित्त मंत्री, उत्तराखण्ड श्री प्रकाश पंत जी योग विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए।

योग विभाग द्वारा अप्रैल माह में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशालायें एवं प्रयोगात्मक परीक्षा निम्नानुसार सम्पन्न की गयी।

क्रम संख्या	विषय	कार्यशाला का स्थान	दिनांक	कुल विद्यार्थी
1	एम0ए0 योग प्रथम वर्ष	केयर कम्प्यूटर, पिथौरागढ़ सभागार-1	03 अप्रैल 2018 से 12 अप्रैल 2018 प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अप्रैल 2018	76
2	एम0ए0 योग द्वितीय वर्ष	केयर कम्प्यूटर, पिथौरागढ़। सभागार-2	03 अप्रैल 2018 से 12 अप्रैल 2018 प्रयोगात्मक परीक्षा 13 अप्रैल 2018	55

उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुवा। प्रयोगात्मक सत्रों में विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक श्री ललित मोहन के नेतृत्व तथा कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के निर्देशन में प्रात:काल कुल 06 महिला एवं पुरूष

योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम , आसन, प्राणायाम ,मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया ।सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये । प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग-अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में डा० अमृत लाल गुरूर्वेद्र, एसो0 प्रोफेसर देवसंस्कृति विश्वविद्यालय ,हरिद्वार, डा० कंचन जोशी योग विभाग खटीमा डिग्री कालेज , श्रीमती ममता पंत योग विभाग राज0 एम0 बी0 पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी, डा0 विपिन चन्द्र जोशी असि0 प्रोफेसर राजकीय डिग्री कालेज पिथौरागढ़ , डा0 मन्जु बोरा, राजकीय डिग्री कालेज बागेश्वर, डा० नबीन चन्द्र भटट् एस0 एस0 जे0 परिसर अल्मोडा़ तथा कार्यक्रम संयोजक योग विभाग डा0 भानु प्रकाश जोशी जी ने समय–समय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये ।

कार्यक्रम संयोजक तथा विभागाध्यक्ष डा० भानु प्रकाश जोशी जी ने विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्य तथा योग विभाग की कार्यशालाओं की गतिविधि तथा कार्यशाला की एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की । कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में राजकीय डिग्री कालेज के प्रधानाचार्य डा० डी०एस० पांगती, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह रावत जी तथा रिटा० ब्यूरो चीफ अमर उजाला श्री उप्रेती जी, कुमॉऊ मण्डन विकास निगम, पिथौरागढ़ के प्रबन्धक श्री दिनेश गुरूरानी जी ने कार्यक्रम में भाग लिया । कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय निदेशक पिथौरागढ़ डा0 विपिन चन्द्र जोशी ने किया ।

डिजिटल क्रांति में विश्वविद्यालय का योगदान

डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इंट्रोडक्शन टू इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी दिनांक 08 अप्रैल से 12 अप्रैल तक पांच दिवसीय निशुल्क नॉन-क्रेडिट ऑनलाइन कोर्स चलाया गया| विद्यार्थियों की सुविधा के लिए इस पाठ्यक्रम की पाठ्यक्रम सामग्री, जो की अंग्रेजी भाषा में विकसित की गयी थी, उसका हिंदी अनुवाद भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया गया था जिसे विद्यार्थियों अपनी सुविधा के अनुरूप वेबसाइट से डाउनलोड कर सकता था| हर खंड में डॉ.जीतेंद्र पाण्डे द्वारा निर्मित विडियो लेक्चर, हिंदी एवं

अंग्रेजी में पाठ्यसामग्री तथा विद्यार्थीयों की कोर्स की प्रगति को जांचने के लिए क्विज का निर्माण किया गया था|

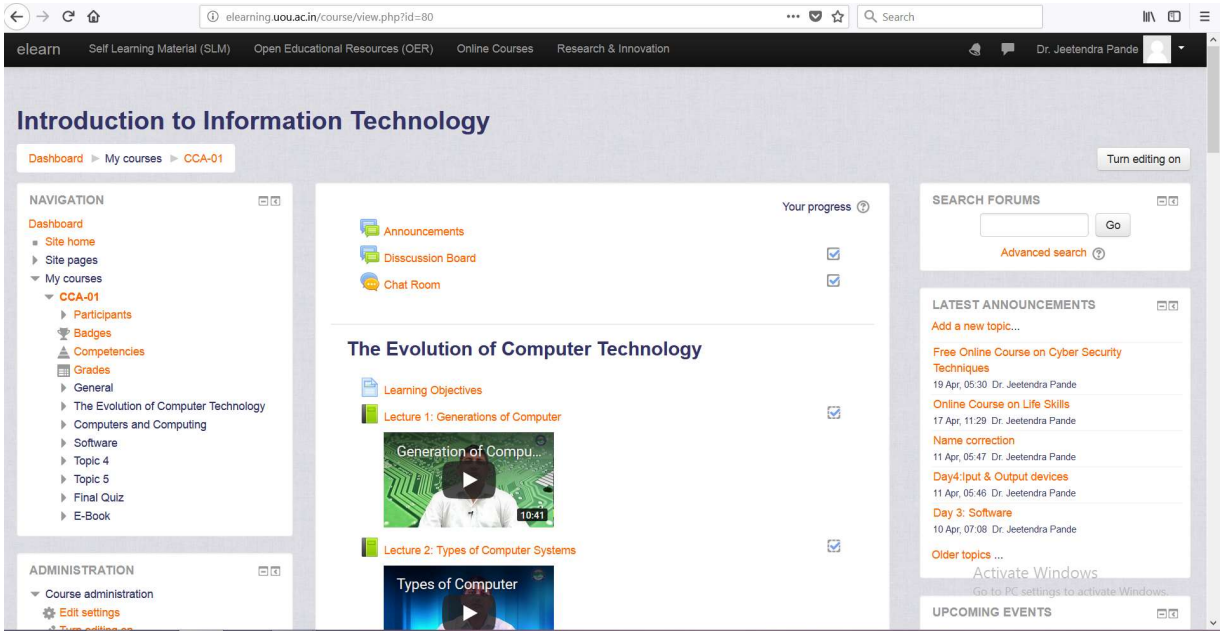

इस ऑनलाइन कोर्स में ऑनलाइन डिस्कशन फोरम एवं चैट की सुविधा भी दी गयी थी ताकि विद्यार्थीयों को कोई शंका होने पर वह अपनी शंका का समाधान कर सके|

(पांच दिवसीय निशुल्क नॉन-क्रेडिट ऑनलाइन कोर्स से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक-क)

विश्वविद्यालय द्वारा निजी एवं पब्लिक स्कूलों के विद्यार्थियों हेतु निशुल्क साईबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम

Welham Girls School, Dehradun की प्रिंसिपल Mrs. Padmini Sambasivam के अनुरोध पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 24 अप्रैल 2018 को Digital Educational Resources and Cyber Awareness विषय पर ऑनलाइन कोर्स संचालित किया|

कोर्स में 80 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया| इस कोर्स को MOODLE प्लेटफार्म पर विकसित किया गया है| किसी भी कोर्स के दौरान किसी भी शंका के समाधान हेतु विद्यार्थी discussion forum एवं chat के सुविधा का उपयोग करके subject matter expert से अपनी शंकाओं का समाधान पा सकता है|

दिव्यांग बच्चों का व्यक्तिगत विकास

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के विशिष्ट शिक्षा विभाग द्वारा 2 अप्रैल 2018 को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन हल्द्वानी क्षेत्र में दिव्यांग बच्चों के माता-पिता द्वारा संचालित संस्थान रोशनी सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर, हल्द्वानी में किया गया| विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों से सम्बंधित भ्रांतियों का निराकरण एवं अभिभावकों को ऑटिज्म के प्रति जागरूक करना था| कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव द्वारा रोशनी सोसाइटी में अध्ययनरत ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया| कार्यक्रम में आये अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत विशिष्ट शिक्षा विभाग की सदस्या डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा किया गया| मुख्य वक्ता एवं ऑटिज्म एक्सपर्ट श्रीमती विनीता वर्मा ने ऑटिज्म के कारण व इसके प्रकार और निराकरण के विषय में बताया|उन्होंने बताया संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा द्वारा 2 अप्रैल को विश्व आत्मकेंद्रित (ऑटिज्म) जागरूकता दिवस का दिवस निश्चित किया गया है| इस दिवस के दिन नीले रंग को इसके प्रतीक के रूप में मान्यता प्रदान की गयी|

विश्वऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर ऑटिस्टिक (दिव्यांग) विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति

विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव द्वारा अपने उद्बोधन में ऑटिज्म के प्रति अभिभावकों को और जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया| अभिभावकों के प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमति प्राप्त होने पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय नवीन सत्र से बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) के पाठ्यक्रम के सञ्चालन की बात कही| साथ ही बच्चों द्वारा दी गयी प्रस्तुतियों की सराहना की गयी| कुलसचिव प्रो. आर.सी.मिश्र ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए इस प्रकार के दिवस की जानकारी सबको मिले इसके लिए बड़े स्तर पर इस दिवस को मनाने पर बल दिया| शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल द्वारा अपने उद्बोधन में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की देख रेख एवं शिक्षा को लेकर समाज में और जागरूकता लाने पर बल दिया| अभिभावकों गोविन्द मेहरा एवं ललित शाह द्वारा ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों के पालन पोषण एवं उनकी शिक्षा के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं एवं उनके निराकरण के सम्बन्ध में सुझाव दिए|

नवीन सत्र प्रारंभ होने एवं प्रवेशोत्सव के उपलक्ष्य पर नए स्कूल बैग एवं पुस्तके वितरित करते कुलपति

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो. नागेश्वर राव, कुलसचिव प्रो. आर.सी.मिश्र एवं निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल द्वारा रोशनी सोसाइटी के बच्चों को उनके विद्यालय का नवीन सत्र प्रारंभ होने एवं प्रवेशोत्सव के उपलक्ष्य पर नए स्कूल बैग एवं पुस्तके वितरित की गयी| कार्यक्रम में ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी जिसमे अदित्य एवं आभास द्वारा स्वागत गीत पर नृत्य, ऋचा द्वारा गायन एवं अन्य बच्चों द्वारा समूह गायन की प्रस्तुति

अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते कुलपति

दी गयी| श्रीमती आभा गर्खाल द्वारा माँ एवं पुत्र के स्नेह के ऊपर एक कविता पाठ किया गया|

रोशनी सोसाइटी की चेयरमेन श्रीमती शिवानी पाल द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा किये गए प्रयासों का आभार प्रकट किया गया| कार्यक्रम का सञ्चालन विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा किया गया| कार्यक्रम में कैलाश जोशी, डॉ राजेन्द्र कैडा, योगेश गुरुरानी, पंकज, राजेश आर्य, पूजा जुयाल, सुनीता भट्ट समेत ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे एवं उनके अभिभावक सहित विश्वविद्यालय के सदस्य उपस्थित रहे|

उच्च शिक्षा का पर्वतीय क्षेत्रों में प्रसार

विश्वविद्यालय द्वारा 'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ' के अन्तर्गत राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर तथा विभिन्न दुर्गम स्थानों पर प्रचार-प्रसार किया गया तथा छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। कुमाँऊ तथा गढ़वाल क्षेत्र के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा की जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसके फलस्वरूप शीतकालीन सत्र 2018-18 तक विश्वविद्यालय के पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित 05 क्षेत्रीय केन्द्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में प्रवेशार्थियों का विवरण निम्नलिखित है-

स्थान	**शीतकालीन सत्र 2018-18**
पौड़ी	918
उत्तरकाशी	801
पिथौरागढ़	423
रानीखेत	823
बागेश्वर	221
कुल	**3,186**

इसी क्रम में विश्वविद्यालय की पहुँच राज्य के दुर्गम पवर्तीय क्षेत्रों तक बनाने तथा विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से युवाओं को परिचित किये जाने के उद्देश्य से प्रो0 गिरिजा पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा दिनांक

25–28 अप्रैल, 2018 के मध्य अल्मोड़ा जनपद के धौलादेवी व भैंसियाछाना ब्लॉक (स्थित, तल्ला सेरागढ़), तल्ली नाली, द्योली बगड़, बड़ी, (धूराटाक), बिबड़ी, (सेरागढ़) चिमखोली (कुन्तोला) आरागढ़ (सलपड़) पनार, गंगोलीहाट तहसील के रस्यूना बुरशुम, डिम्टें, तथा पिथौरागढ़ जनपद के विण ब्लॉक के बौतड़ी, उपरतोली, भल्या तथा खड़कू आदि ग्रामों का सर्वेक्षण किया गया।

विष्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गॉव में जागरूकता षिविर का आयोजन

दिनांक 26 अप्रैल, 2018 को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गॉव मानपुर पश्चिम में प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न रोगों से ग्रसित लोगों का स्वासी परीक्षण किया गया। विश्वविद्यालय के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ0 हेमन्त कांडपाल द्वारा उच्च रक्तचाप, एलर्जी, माईग्रेन, जोड़ों के दर्द, मधुमेह आदि रोगों से ग्रसित रोगीयों को चिकित्सा परामर्श दिया। वहीं आहार एवं पोषण विभाग की डॉ0 प्रीति बोरा व मोनिका दिवेदी ने महिलाओं और बच्चों को कुपोषण से सम्बन्धित जानकारी देने के साथ–साथ पौष्टिक आहार के सम्बन्ध में जानकारी दी। कृषि विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ0 विरेंद्र कुमार ने फसलों, फलों और सब्जियों के उत्पादन तकनीक से सम्बंधित विवरणिकाओं को ग्रामीणों को वितरित किया। समाजशास्त्र विभाग की डॉ0 भावना डोभाल ने विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी दी।

जागरूकता शिविर में गॉव के निवासियों को परामर्श देते विश्वविद्यालय के शिक्षक

शिविर में प्रतिभाग करती मानपुर पश्चिम की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी

ग्रामीणों को फसलों, फलों और सब्जियों के उत्पादन की तकनीक से संबंधित जानकारी देते डॉ0 विरेंद्र कुमार, सहायक प्रध्यापक, कृषि

अप्रैल माह में विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियों 'हैलो हल्द्वानी' से प्रसारित कार्यक्रम

सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' द्वारा अप्रैल माह में 30 नए कार्यक्रमों का निर्माण किया गया। एक अप्रैल को **वर्ल्ड आटिज्म डे** के अवसर पर तीन कार्यक्रमों का निर्माण किया गया। जिसमें पहले एपिसोड में आटिज्म के बच्चों को पढ़ाने वाली टीचर विनीता कुमार से बात की गई। दूसरे एपिसोड में आटिज्म वाले बच्चों की अभिभावक संस्था रोशनी के एक्क्यूटिव मेंबर से बातचीत की गई। तीसरे एपिसोड में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल बोहरा से आटिज्म के बच्चों के ट्रीटमेंट पर बातचीत की गई।

विश्वविद्यालय के दूरस्थ विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर अपने Student Corner Programme के तहत छह कार्यक्रमों का निर्माण किया गया। जिसमें उत्तराखण्ड को पहली बार मिल रहे 480 स्पेशल टीचर्स से बातचीत की गई। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्पेशल बीएड प्रोग्राम के कोर्आडिनेटर सिद्धार्थ पोखरियाल से इस संदर्भ में सहयोग लिया गया। स्पेशल बी0एड0 के अन्तर्गत आने वाले चार विकारों पर अलग अलग एपिसोड तैयार किए गए। इन चार एपिसोड में पहला लर्निंग डसेबिलिटी पर दूसरा मानसिक मन्दता पर तीसरा मल्टीपल डिसेबिलिटी पर व चौथा स्पेशल बच्चों के लिए उत्तराखंड में चल रहे पुनर्वास संस्थानों पर बात की गई। साथ ही स्पेशल बी0एड0 की वर्कशॉप में चंडीगढ पुर्नवास संस्थान से आए प्रो. वसीम अहमद से डिसेबिलटी के नए आयामों व इस फील्ड में नए हो रहे शोधों पर विस्तार से बात की गई।

हमारे खास प्रोग्राम मुलाकात में जाने माने इतिहासकार लाल बहादुर वर्मा से बातचीत की गई। फैशन डिजाइनिंग कर चुकी हल्द्वानी निवासी भूमिका गर्ब्याल से फैशन डिजाइनिंग के नए आयामों पर बातचीत की गई। Student Corner Programme के तहत द्विवर्षीय बीएड पाठ्यक्रम पर अल्मोड़ा कैम्पस के शिक्षा विभाग में प्रोफेसर डा. भास्कर व डा. ममता से बातचीत की गई। इसी प्रोग्राम में स्कूली शिक्षा में जेंडर भेदभाव पर बातचीत की गई। मुख्यधारा के अखबारों में महिला पत्रकारों की स्थितिया व चुनौतियों पर वरिष्ठ पत्रकार अमृता ठाकुर से बात की गई। शिक्षा मे नए प्रयोगों के लिए जाने जाने वाले रुद्रप्रयाग के अगस्तमुनि कस्बे के लोकप्रिय शिक्षक गजेन्द्र रौतेला से पहाड़ में स्कूली शिक्षा व शिक्षकों की स्थितियों पर बात की गई। साथ ही दून लिटरेचर फेस्टेवल के संयोजक प्रवीण भट्ट से फेस्टेवल के तमाम पक्षों व राज्य के वर्तमान हालात व लेखनी की जरुरतों पर बातचीत की गई।

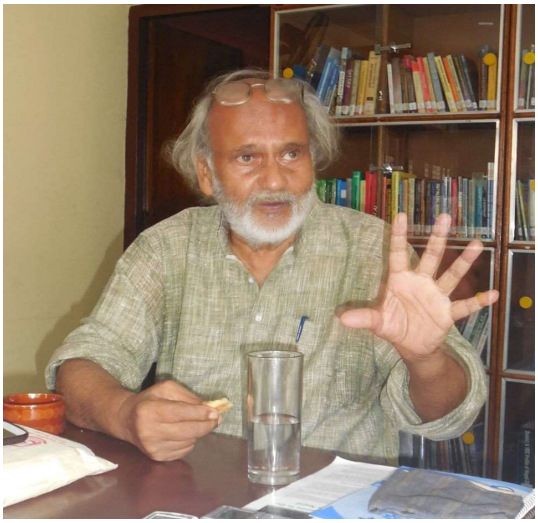

इतिहासकार लाल बहादुर वर्मा

हल्द्वानी में आयोजित वेब अभियान पलायन एक चिंतन पर रेडियो रिपोर्ट तैयार की गई, जिसमें जनप्रतिनिधियों से जनता की ओर से सवाल पूछे गए। इसके साथ ही आदमखोर बाघों का शिकार करने वाले रुद्रप्रयाग निवासी शिकारी जॉय हुकले से बातचीत की गई। उत्तरकाशी में एक आर्दश व आत्मनिर्भर गांव का मॉडल बनाने वाले हार्क(हिमालयन एक्शन रीसर्च) संस्था के संयोजक महेन्द्र कुंवर से बातचीत की गई। टूरिज्म एसोसिएसन के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा से उत्तराखंड में टूरिज्म संस्कृति पर बात की गई। हैल्दी हल्द्वानी प्रोग्राम के तहत आयुर्वेदिक डाक्टर डा. रोली जोशी से मर्म चिकित्सा व पंचकर्म पद्धति पर बात की गई। साथ ही आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट करा रहे कुछ मरीजों से बातचीत कर एक रेडियो रिपोर्ट तैयार की गई। साथ ही महिला इंटीरियर डिजाइनर सुनीता पांडे से इंटीरियर डिजाइनिंग की जरुरतों, महत्व व हल्द्वानी में इसकी मांग पर बातचीत की गई।

(कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- ख)

राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल

विश्वविद्यालय द्वारा उपाधियों की प्रविष्ठि व सत्यापन हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी(NAD) पोर्टल में Maker व Checker का निर्माण किया जा चुका है। राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल पर कार्य करने से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) के कार्मिकों के साथ प्रदर्शन व्याख्यान (Demo Lecture) भी किया गया। सभी उपाधियों को डिजिटल हस्ताक्षरित करने के लिए डिजिटल हस्ताक्षर बनाने की प्रक्रिया अन्तिम चरण में है।

समस्त उपाधियों तथा प्रमाणपत्रों को राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल में उपलब्ध किए जाने हेतु सॉफ्ट कॉपी (PDF) मे परिवर्तित कराया जा चुका है, जिसमें कि कुलपति महोदय तथा परीक्षा नियंत्रक के हस्ताक्षर भी सम्मिलित हैं।

पत्रकारिता पर तीन दिवसीय कार्यषाला का आयोजन

परिसर देहरादून में 10 अप्रैल 2018 से 12 अप्रैल 2018 तक पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमें बडी संख्या में छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो0 लालबहादुर वर्मा जी ने किया। कार्यशाला को दून विश्वविद्यालय के प्रो0 राजेश कुमार, इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की डॉ0 भूमिका चंदोला तथा भूपेन सिंह ने भी संबोधित किया।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (प्रवेष परीक्षा)

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2018 के लिए पीएच.डी. पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा यू.जी.सी नेट 2016 के प्रावधनों के अनुरूप कराये जाने हेतु हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, समाज कार्य, होटल प्रबन्धन, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वानिकी, वाणिज्य, प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, पर्यटन प्रबन्ध, हॉर्टिकल्चर, कम्प्यूटर कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशन्स, योग, मनोविज्ञान, ज्योतिष । विषयों कीं 87 सीटों के लिए विज्ञापन दिनांक 20/04/2018 को दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया है। पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा आवेदन पत्र आनलाईन मांगे गये है। आनलाईन आवेदन पत्र की अन्तिम तिथि 21 मई 2018 है।

विश्वविद्यालय पीएच.डी. पाठ्यक्रम में जमा शोध ग्रन्थों को आनलाईन करने के लिए यू.जी. सी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में इन्फिलबनेट (Infilbnet) के सक्षम अधिकारियों से वार्ता करने के उपरान्त एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया है। शोधार्थियों के शोध ग्रन्थ को शोध गंगा/गंगोत्री पोर्टल में एकाउन्ट बना कर अपलोड किये जायेगा। शोध रूप रेखा और शोध ग्रन्थों को अपलोड किये जाने की प्रक्रिया गतिमान है। जिससे शोध ग्रन्थ सार्वजनिक प्रदर्शन के लिये उपलब्ध रहें।

विज्ञान विषय की कार्यशालाऐं

- दिनांक 25 अप्रैल, 2018 से 3 मई, 2018 तक रसायन विज्ञान, भौतिक शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान तथा भूगोल विषय की कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन एस जी आर आर पी जी कॉलेज, देहरादून

विज्ञान कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

में किया गया जिसमें 576 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

- दिनांक 26 अप्रैल, 2018 से 4 मई, 2018 तक रसायन विज्ञान, भौतिक शास्त्र तथा वनस्पति विज्ञान विषय की कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन पं एल एम एस पी जी कॉलेज, ऋषिकेश में किया गया जिसमें 205 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

भूगोल कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

देहरादून और ऋषिकेश में विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित बी0एस0सी0 और एम0एस0सी0 पाठ्यक्रमों के शिक्षार्थियों के लिए परामर्श कार्यशाला सत्र की झलक।

परीक्षा

दिनांक 01 जून से 27 जून 2018 तक विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा प्रस्तावित है जिसमें 48501 परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा, 7170 परीक्षार्थी बैक परीक्षा तथा 190 परीक्षार्थी सुधार परीक्षा (कुल 55861) हेतु पंजीकृत हुए है।

परीक्षा सारणी छात्रों की सुविधा हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट में अपलोड की दी गई है।

माह अप्रैल में 285 मूल उपाधियॉ, 32 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र वाहक/डाक से प्रेषित किये गये।

प्रवेश

दिनांक 25/01/2018 से विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की गई थी जिसकी अंतिम तिथि 15 मार्च 2018 थी तथा विलंब शुल्क के साथ 31 मार्च, 2018 थी। दिनांक 30 अप्रैल को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक 19546 प्रवेशार्थियों के प्रवेश फार्मों की एन्ट्री की जा चुकी है।

शीतकालीन सत्र 2017 तथा 2018 में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में विद्यार्थियों के प्रवेश की अद्यतन स्थिति निम्न है-

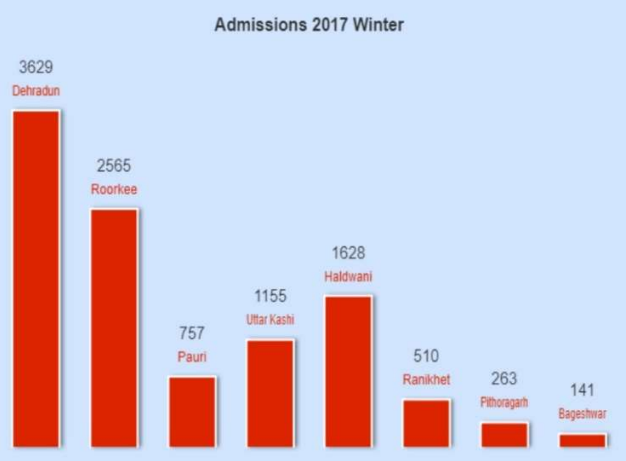

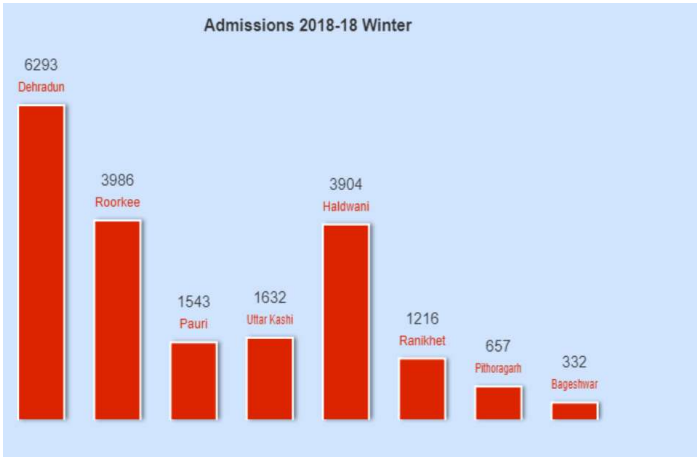

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। पूर्व में यह सामग्री क्षेत्रीय कार्यालयों को प्रेषित की जाती थी। वहा से यह सामग्री अध्ययन केन्द्रों को प्रेषित की जाती थी। इस प्रक्रिया में अधिक समय अधिक लगता था। वर्तमान में यह सामग्री जिन अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत छात्रों की संख्या अधिक है वहॉ सीधे प्रेषित की जा रही है तथा जहॉ पंजीकृत छात्रों की संख्या कम है वहॉ अध्ययन सीधे छात्रों को प्रेषित की जा रही है।

विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2018–18 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (2018-18-Winter)

Total Students	18895
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	1089
12 Roorkee	373
14 Pauri	151
15 Uttar Kashi	35
16 Haldwani	1573
17 Ranikhet	104
18 Pithoragarh	46
19 Bageshwar	41
Books Packed/Dispatched For	3412

उपर्युक्त तालिका में सेमेस्टर पाठ्यक्रमों में विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में पंजीकृत विद्यार्थियों (3412) को प्रेषित की जाने वाली अध्ययन सामग्री का विवरण उल्लिखित है। वार्षिक पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री वितरित की जा रही है।

डॉ0 भीमराव अम्बेडकरजी की 127 वीं जयन्ती

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयंती पर पोस्टर प्रतियोगतिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी की 127 वीं जयन्ती उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ0 दिनेश कुमार जी के निर्देशन में विश्वविद्यालय में पोस्टर एवं कोलाज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल व प्रो0 आर0 सी0 मिश्रा द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में व्याख्यान देते डॉ0 दिनेश कुमार

इस अवसर पर विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल ने कहा कि डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने देश को संविधान प्रदान कर राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया है। कुलसचिव प्रो0 आर0 सी0 मिश्रा ने कहा कि भारतीय इतिहास में उनका योगदान अमर रहेगा। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 दिनेश कुमार जी ने बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवनदर्शन, शैक्षिक दर्शन, समाज के पिछड़े वर्गो व नारी उत्थान हेतु किये गये कार्यो के प्रत्येक बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के सही

प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते प्रो0 एच पी शुक्ल

दिशा निर्देशन के साथ देश की राजनैतिक व्यवस्था व अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक लिखित संविधान प्रदान किया, साथ ही भारतीय रिर्जव बैंक आंफ इंडिया स्थापित करने का श्रेय उन्हीं को प्राप्त हुआ। संविधान के द्वारा हम सभी भारतीय अपने अधिकारों व कर्तव्यों का प्रयोग करते है। उनके द्वारा समाज में फैली अनेक कुरूतियों को कानून द्वारा दूर करने का सफल प्रयास किया गया।

डॉ0 अम्बेडकर जी ने कहा था कि शिक्षा का प्रचार एवं प्रयास किये बिना कोई भी राष्ट्र अपना विकास नही कर सकता है। इस अवसर पर डॉ0 सूर्यभान सिंह, डॉ0 दीपांकुर जोशी ने अपने विचार रखे व संचालन डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया।

पाठ्य सामग्री निर्माण

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की स्व–अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसमें समाज शास्त्र, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, वाणिज्य, होटल प्रबंध, प्रबन्ध अध्ययन, इतिहास व ज्योतिष विषय से सम्बिन्धित पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर की स्व–अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जा रहा है।

रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, वनस्पाति विज्ञान, भूगोल (स्नातक) व गृह विज्ञान (परास्नातक) पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष की स्वन–अध्ययन सामग्री का निर्माण कर लिया गया है तथा इनके संपादन का कार्य किया जा रहा है।

आगामी सत्र में प्रस्तावित बी0लिब0 पाठ्यक्रम के दोनों सेमेस्टरों की स्व–अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा बी0लिब0 पाठ्यक्रम की स्व निर्मित अध्ययन सामग्री का संपादन कार्य विषय विशेषजो द्वारा किया जा रहा है।

शोध एवं अकादमिक गतिविधियॉ

- दिनांक-24/04/2018 को प्रो0 गिरिजा पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा उत्तराखण्ड प्रशासनिक अकादमी में जिला स्तरीय अधिकारियों हेतु 'आपदा प्रबन्धन और मीडिया' पर आयोजित त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में 'संचार, आपदा और मीडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्रध्यापक, ज्योतिष का 'वेदांग ज्योतिष: एक परिचय' विषयक शोध पत्र यू0जी0सी0 द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रिका 'वेदचक्षु' International Journal of Jyotish Research में प्रकाशित हुआ।

- उत्तराखण्ड प्रशासनिक अकादमी में जिला स्तरीय अधिकारियों के लिये ''आपदा प्रबन्धन और मीडिया'' पर आयोजित त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रो0 गिरिजा पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा ''संचार, आपदा और मीडिया'' विषय पर दिनांक 24/04/2018 के दो सत्रों में व्याख्यान दिया गया। कार्यशाला में 26 से अधिक जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी तथा मीडिया प्रमुख प्रशिक्षाणार्थी के रूप में प्रतिभाग कर रहे थे।

- डॉ0 एम0एम0 जोशी, सहायक प्रध्यापक, इतिहास का माह अप्रैल में एक शोधपत्र, 'कुमॉऊँ की शाक्त प्रतिमाए' UGC approved International Journal, Printing Area, ISSN 2395-5303 में प्रकाशित हुआ।

- डॉ0 दीपांकुर जोशी, अकादमिक परामर्शदाता, विधि द्वारा लिखित दो शोध पत्र यू0जी0सी0 मान्यता प्राप्त जर्नल में प्रकाशित हुए।

अन्य गतिविधियॉ

- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्रध्यापक, ज्योतिष को दिनांक 10 अप्रैल, 2018 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में UGC-MHRD द्वारा परियोजना E-content (ई-पाठशाला) में स्नातकोत्तर स्तरीय ज्योतिष (गणित) सम्बन्धित एक दिवसीय संगोष्ठी में प्रतिभाग किया तथा सम्बन्धित प्रोजेक्ट में 'ग्रहलाघवम्' नामक प्रश्न पत्र के कुल 32 इकाईयों का संस्कृत भाषा में लेखन कार्य हेतु BHU संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संकाय के ज्योतिष विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। इस हेतु इनका नाम यू0जी0सी0 के वेबसाइट पर भी इनका नाम अंकित हो चुका है।

- विश्वविद्यालय द्वारा सामग्रीयों की खरीद हेतु शासन द्वारा निर्दिष्ट ई टेन्डरिंग की प्रक्रिया को अपनाया गया जिसमें विभिन्न वस्तुओं का क्रय निविदा के माध्यम से किया जा रहा है। इस हेतु उत्तराखण्ड सचिवालय के NIC अनुभाग से समस्त डिजिटल सिगनेचर आदि प्राप्त कर लिये गये है।
- शैक्षणिक सत्र 2018-19 से विश्विवद्यालय द्वारा शुरू किये जाने वाले पाठ्यक्रमों (Ph. D, Master Degree, Bachelor Degree, Post Graduate Diploma) की यू0जी0सी0 डेब से मान्यता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा यू0जी0सी0 डेब द्वारा निर्धारित प्रारूप में फार्म को ऑनलाईन भरने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2018-19 से शुरू किये जाने वाले सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची व उससे सम्बन्धित अन्य प्रपत्र तैयार कर लिये गये है। पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु ऑनलाईन माध्यम से भरा फार्म (293 पृष्ठ) व उससे संबंधित सलग्नकों (1401 पृष्ठ) को यू0जी0सी0 डेब को प्रेषित किया जा रहा है ताकि समय रहते इस सम्बन्ध में प्रक्रिया शुरू हो सके तथा विश्वविद्यालय को आगामी सत्र से प्रारम्भ किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता प्राप्त हो सके।

- प्रबंध अध्ययन के पी0एचडी0 छात्र श्री राजेन्द्र सिंह कोहली के प्री पी0एचडी विषय "Professional Stress and Spiritual Intelligence, A Study of Corporate & Government Executives", पर उनके द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति करवायी गयी।
- विश्वविद्यालय परिसर हल्द्वानी तथा एस0ज0आर0आर0 पीजी कॉलेज, देहरादून में एम0बी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर के शिक्षार्थियों हेतु विशेष परामर्श सत्र का आयोजन कियागया। जिसमें हल्द्वानी में 45 तथा देहरादून में 44 शिक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- दिनांक 06 अप्रैल 2018 को उत्तराखण्ड के प्रतिष्ठित पैट्रोलियम विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय Space Conclave में परिसर निदेशक द्वारा प्रतिभाग किया किया गया एवं तकनीकी व्याख्यान दिया गया।

पेट्रोलियम विश्वविद्यालय में व्याख्यान देते प्रोफेसर दुर्गेश पंत, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

- वर्तमान में परिसर निदेशक के निर्देशन में राज्य सरकार के Flagship Programme 'रिस्पना पुर्नजीवन कार्ययोजना' के अन्तर्गत गठित छात्र समूहों द्वारा माह अप्रैल में निम्नवत कार्य किये गये–
    1. सपेरा बस्ती नगर में रिस्पना के अन्तिम छोर, सुसवा नदी के संधि–बिन्दु से राजपुर की ओर सीवेज नालों की मैपिंग की गयी। रिस्पना नदी के सीवेज पॉइन्टस को जियो–टेग किया गया। वर्तमान में इसके सीवरेज मैपिंग निर्माण का कार्य चल रहा है।
    2. इसके अतिरिक्त नगरी क्षेत्र में रिस्पना के आस–पास के हैंडपम्प को भी जियो–टेग किया जा रहा है।
- परिसर निदेशक के द्वारा हैस्को में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में उत्तराखण्ड के पी0सी0सी0एफ0 श्री जयराज द्वारा परिसर निदेशक से राज्य के व्यापक हित में दो बिन्दुओं पर रिपोर्ट चाही गयी है।

1. वर्ष 2011 में हैस्को के समीप शुक्लापुर ग्राम मे जंगल की स्थिति एवं वर्तमान में इसकी स्थिति के बारे में Change Analysis पर रिपोर्ट।
2. प्रमुख वन संरक्षक द्वारा राज्य में इसी प्रकार के 20 क्षेत्रों को चिन्हित करने व भूतल पर किये गये कार्य पर रिपोर्ट।

- दिनांक 6 अप्रैल 2018 को सेलाकुई में स्थित JBIE&T संस्थान में आयोजित सेमिनार में परिसर निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत द्वारा Keynote Speaker के रूप में व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 दुर्ग सिंह चौहान, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 यू0एस0 रावत, उत्तराखण्ड आवासीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एच0 एस0 धामी के अतिरिक्त बडी संख्या में ए0आई0सी0टी0ई0 के विषय–विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रो0 दुर्गेश पंत द्वारा Keynote Speaker के रूप में व्याख्यान देते हुए।

- परिसर निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत एवं प्रो0 अभय सक्सेना, विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान, देव संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से लिखी जा रही पुस्तक I.O.T. (Internet of Think) प्रकाशन के लिये अंतिम चरणों में है। यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक है जो प्रौद्योगिकी के नवीन आयामों पर आधारित है।
- विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ0 राकेश रयाल द्वारा 'उत्तराखण्ड में पत्रकारिता का इतिहास' पुस्तक का प्रकाशन किया गया।

- विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ0 राकेश रयाल द्वारा Public Relationship Society of India, Dehradun Chapter द्वारा आयोजित National Public Relation Day पर व्याख्यान दिया गया।

- माह अप्रैल, 2018 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त माह जून, 2018 में होने वाली परीक्षाओं की तैयारियॉ, प्रश्न पत्रों एवं उत्तर पुस्तिकाओं का प्रेषण कार्य, शिक्षकों द्वारा पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है (संलग्नक-ग)।

****